- Emperor Vidyadhara Chandel vs. Mahmud of Ghazni (1019–1022 CE)
- Medieval Indian History & Military Strategy
- **Author / लेखक** © 17th Aug. 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY)

गजनवी का सबसे बड़ा खौफ: चंदेल सम्राट विद्याधर और अजेय कालिंगर

The King Who Halted Mahmud of Ghazni: Emperor Vidyadhara Chandel

मध्यकालीन भारतीय इतिहास में महमूद गजनवी को अक्सर एक ऐसे अनियंत्रित आक्रमणकारी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जिसने संपूर्ण उत्तर भारत में लूटपाट की। हालाँकि, समकालीन अरबी और फ़ारसी वृत्तांतों के विश्लेषण से एक अलग सत्य उजागर होता है। 1019 से 1022 ईस्वी के मध्य बुंदेलखंड के **चंदेल सम्राट विद्याधर** एकमात्र ऐसे भारतीय शासक सिद्ध हुए, जिन्होंने न केवल गजनवी के विजय अभियान को सफलतापूर्वक रोका, बल्कि अपनी सैन्य कूटनीति से उसे संधि करने और 15 किले सौंपने पर विवश कर दिया।

In mainstream medieval Indian history, Mahmud of Ghazni is frequently depicted as an unstoppable invader who breached kingdom after kingdom across Northern India. Yet, primary medieval Arabic and Persian chronicles reveal a different reality. **Emperor Vidyadhara (1019–1022 CE)** of the Chandel dynasty stands out as the sole Indian monarch who completely halted Ghazni's expansionism, forcing the invader to retreat and cede 15 fortresses through diplomacy.

© 17th August 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY).

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: कन्नौज का वध / Punishing Cowardice (1018–1019 AD)

1018 ईस्वी में कन्नौज के गुर्जर-प्रतिहार राजा **राज्यपाल** ने गजनवी के आक्रमण के समय बिना युद्ध लड़े आत्मसमर्पण कर दिया। चंदेल साम्राज्य के तत्कालीन शासक विद्याधर ने इसे भारतीय राजाओं की संप्रभुता का अपमान माना।

- **दंडात्मक कदम:** विद्याधर ने अपने सामंत, ग्वालियर के कच्छपघात शासक **अर्जुन** को भेजकर कायरता दिखाने वाले राजा राज्यपाल का वध करवा दिया।
- **गजनवी का प्रत्युत्तर:** अपने आश्रित राजा की हत्या की सूचना पाकर गजनवी 1019 ईस्वी में एक विशाल मध्य-एशियाई सेना के साथ चंदेल साम्राज्य को कुचलने निकला।

In 1018 CE, when Mahmud attacked Kannauj, the ruling Pratihara king **Rajyapala** surrendered without offering combat. Viewing this act as a national disgrace, Prince Vidyadhara dispatched his feudatory, King **Arjuna** of the Kachchhapaghata dynasty, who executed Rajyapala for cowardice. Enraged by this, Mahmud assembled a massive Central Asian army in 1019 CE and marched directly toward the Chandel domain.

© 17th August 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY).

प्रथम महासंग्राम: रुहुत नदी तट और रणनीतिक वापसी / Battle at the Riverbank & Tactical Retreat (1019 AD)

विद्याधर ने किले में छुपने के बजाय साम्राज्य की सीमा (रुहुत/रामगंगा नदी तट) पर गजनवी को रोकने का निर्णय लिया।

- **अरबी स्रोत - 'अल-कामिल फि अत-तारीख' (इब्न अल-असीर):**

  अरबी इतिहासकार इब्न अल-असीर लिखता है कि गजनवी जब नदी तट पर पहुँचा, तो उसने विद्याधर (अरबी में 'बिदा') की विशाल सेना (36,000 घुड़सवार, 1,45,000 पैदल सैनिक और 390 हाथी) देखी। इस विशाल शक्ति को देखकर गजनवी भयभीत हो गया और उसने ज़मीन पर गिरकर अल्लाह से जीत की दुआएं मांगी।

- **रणनीतिक वापसी (Feigned Retreat):**

  गजनवी के चपल तुर्की धनुर्धर घुड़सवारों से अपने पैदल सैनिकों की रक्षा करने हेतु विद्याधर ने रात के समय कूटनीतिक रूप से अपनी सेना पीछे खींच ली। गजनवी इसे चंदेलों का कोई भयंकर जाल (Ambush) समझ बैठा और रसद की कमी के कारण बिना युद्ध लड़े रात में ही गजनी भाग गया।

Instead of remaining passive, Vidyadhara marched to the river Ruhut (Ramganga) to intercept the invader.

- **Arabic Primary Source - 'Al-Kamil fi al-Tarikh' (Ibn al-Athir):**

  Ibn al-Athir records that Mahmud was terrified upon seeing Vidyadhara's formidable host across the river (36,000 cavalry, 145,000 infantry, and 390 war elephants) and prostrated himself to pray for victory.

© 17th August 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY).

- **The Tactical Retreat:**

To avoid heavy infantry casualties against Central Asian horse archers, Vidyadhara executed a strategic night retreat. Finding the Chandel camp deserted, Mahmud suspected a deadly ambush. Depleted of supplies and paralyzed by fear, Mahmud fled back to Ghazni without engaging in battle.

द्वितीय महासंग्राम: कालिंजर किले की अजेय घेराबंदी / Siege of Kalinjar Fort (1022 AD)

1019 की वापसी का बदला लेने हेतु गजनवी 1022 ईस्वी में पुनः लौटा और उसने चंदेल साम्राज्य के अभेद्य दुर्ग **कालिंजर** को घेर लिया।

- **भौगोलिक स्थिति:** विंध्य पर्वतमाला की लगभग 1200 फीट ऊंची खड़ी चट्टान पर स्थित।
- **मंजनीकों (Catapults) की असफलता:** भारी पत्थर फेंकने वाली गजनवी की मशीनें ऊंचाई के कारण निष्प्रभावी साबित हुईं।
- **जल एवं रसद आत्मनिर्भरता:** किले के अंदर 'कोट तीर्थ' तथा 'पाताल गंगा' जैसे अटूट प्राकृतिक जलस्रोत थे। महीनों की घेराबंदी के बावजूद अंदर आपूर्ति सामान्य रही, जबकि बाहर बैठी गजनवी की सेना भुखमरी और बीमारी से ग्रस्त हो गई।

Determined to avenge his withdrawal, Mahmud returned in 1022 CE to capture Kalinjar Fort.

- **Topography:** Situated on an isolated 1,200-foot steep cliff in the Vindhya range.
- **Failure of Siege Engines:** Mahmud's heavy catapults (*Manjaniqs*) failed due to the sheer height of the fortress.
- **Self-Sufficiency:** The fort housed perennial water springs like *Kote Tirth* and *Patal Ganga*. While defenders remained well-provisioned, Mahmud’s besieging army outside suffered heavily from disease and starvation.

© 17th August 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY).

कूटनीतिक संधि और 15 किलों का हस्तांतरण / Treaty & Ceding of 15 Forts

किले को भेदने में असमर्थ होने पर गजनवी ने शांति वार्ता का प्रस्ताव रखा। विद्याधर ने कूटनीतिक शिष्टाचार के रूप में गजनवी की प्रशंसा में एक संस्कृत कविता (छंद) भेजी।

फारसी स्रोत - 'तबाक़त-ए-अकबरी' (निज़ामुद्दीन अहमद) व 'तारीख-ए-फरिश्ता':

गजनवी ने अपनी प्रतिष्ठा बचाने (Face-Saving Exit) के लिए इस कविता की सराहना की और संधि स्वीकार कर ली। गजनवी ने बिना कालिंजर जीते, गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र के अपने जीते हुए **15 किले सम्राट विद्याधर को उपहार स्वरूप सौंप दिए** और सदैव के लिए लौट गया।

Recognizing the impossibility of capturing the fort, Mahmud initiated peace terms. Vidyadhara sent a Sanskrit poem commending the invader's valour.

Persian Sources - 'Tabaqat-i-Akbari' (Nizamuddin Ahmad) & 'Tarikh-i-Firishta':

Mahmud utilized the gesture to secure an honorable exit, signing a peace treaty and **handing over 15 fortresses** in the Gangetic Doab region to Emperor Vidyadhara before departing permanently from Central India.

© 17th August 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY).

प्राथमिक ऐतिहासिक प्रमाण तालिका / Primary Historical Sources Matrix

ग्रंथ / Source	लेखक एवं काल / Author	मुख्य विवरण / Key Details
अल-कामिल फि अत-तारीख	इब्न अल-असीर (12वीं सदी - अरबी)	विद्याधर (बिदा) की विशाल सेना और गजनवी के खौफ का वर्णन। / Records Vidyadhara's army & Mahmud's fear.
तबाक़त-ए-अकबरी	निज़ामुद्दीन अहमद (16वीं सदी - फारसी)	कालिंजर घेराबंदी, संस्कृत कविता व 15 किलों के हस्तांतरण का उल्लेख। / Details Kalinjar siege, Sanskrit poem & 15 forts.
तारीख-ए-फरिश्ता	फरिश्ता (17वीं सदी - फारसी)	गजनवी और विद्याधर के मध्य संधि एवं उपहार हस्तांतरण की पुष्टि। / Confirms the treaty and gift transfer.

ग्रंथ / Source	लेखक एवं काल / Author	मुख्य विवरण / Key Details
दुबे कुंड अभिलेख	कच्छपघात शिलालेख / Epigraph	विद्याधर के आदेश पर कन्नौज के राजा के वध का पुरातात्विक प्रमाण। / Epigraphic proof of Rajyapala's execution.

सम्राट विद्याधर चंदेल का इतिहास यह सिद्ध करता है कि मध्यकालीन भारत में विदेशी आक्रमणों का मुकाबला केवल वीरता से ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि की सैन्य रणनीति, भूगोल के सही उपयोग और कूटनीति से किया गया था। वे भारतीय इतिहास के ऐसे अजेय नायक रहे जिन्होंने महमूद गजनवी के अहंकार को चूर कर देश की सीमाओं को सुरक्षित रखा।

Emperor Vidyadhara Chandel's legacy exemplifies that military triumph relies as much on geography, patience, and strategic warfare as on brute force. He remains an enduring symbol of medieval Indian resilience who defended his homeland with unmatched tactical brilliance.

© 17th August 2026 Govind Malviya (REAL HI STORY).